>

Title: Need to make National Waterway No. 1 navigational for big ships from Farrakka barrage to Allahabad via Patna.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): बिहार राज्य चारों तरफ से इस तरह पड़ोसी राज्यों से घिरा हुआ है कि इसके पास कोई समुद्री सीमा नहीं है। अर्थात बिहार एक भू-आवेष्ठित प्रदेश है।

प्राचीन काल में बिहार का अंतर्राज्यीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार गंगा के रास्ते कलकत्ता पोर्ट से होता था। कलकत्ता एवं हल्दिया बंदरगाह नदी बंदरगाह है अर्थात गंगा नदी में स्थित दोनों बंदरगाह समुद्री सीमा से 200 किमी. ऊपर है जिसकी देखरेख तथा पर्याप्त गहराई बनाए रखने का कार्य पोर्ट प्राधिकरण के द्वारा किया जाता है मगर फरक्का बराज से ऊपर पटना तथा इलाहाबाद तक गंगा नदी में नेवीगेशन का कार्य पर्याप्त गहराई नहीं होने के कारण नहीं हो पाता है।

इलाहाबाद-पटना-फरक्का राष्ट्रीय जलमार्ग न0.1 के रूप में घोषित है जिसके माध्यम से बड़े जलयानों द्वारा व्यापार की सुविधा प्राप्त होनी चाहिए। प्रकृति की इतनी बड़ी धरोहर गंगा नदी के माध्यम से बिहार, उत्तर प्रदेश को प्राप्त होने वाली सुविधा से वंचित होना एक राष्ट्रीय क्षति है। सड़कों पर बोझ बढ़ता है तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित होता है। केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि राष्ट्रीय राजमार्ग न0.1 इलाहाबाद-पटना-कलकत्ता को व्यापारिक दृष्टि से बड़े जलयानों के संचालन के लिए पर्याप्त जल प्रवाह उचित गहराई के साथ बनाया जाए।